सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-6	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ:15 दो कलाकार

मौखिक कौशल

1. अरुणा और चित्रा में से चित्रा चित्रकार थी।
2. अरुणा और चित्रा हॉस्टल में रहती थीं।
3. चित्रा के पास उसके पिता जी का पत्र आया था।
4. अरुणा पंद्रह दिनों बार लौटी थी।
5. अरुणा के पति बच्चों को प्रदर्शनी दिखाने के लिए ले गए।

लिखित कौशल

1. (क) चित्रा ने अरुणा को अपना बनाया हुआ चित्र दिखाने के लिए जगाया था।

(ख) चित्र देखकर अरुणा ने उसे राय दी कि हज़ार बार तुझसे कहा कि जिसका चित्र बनाए उसका नाम लिख दिया कर जिससे गलतफहमी न हुआ करे ,वरना तू बनाए हाथी और हम समझे उल्लू।

(ग) रविवार के दिन अरुणा बच्चों के लिए पाठशाला लगाया करती थी।

(घ) चित्रा के पिता जी ने पत्र में लिखा था कि जैसे ही चित्रा का कोर्स समाप्त हो जाए, वह विदेश जा सकती है।

(ड) चित्रा अरुणा के बीच कला और जीवन को लेकर लंबी-लंबी बहसें होती थीं।

(च) बाढ़- पीड़ितों की सहायता करने के लिए स्वयंसेवकों का एक दल जा रहा था। अरुणा ने भी उनके साथ के लिए प्रिंसिपल साहिबा से अनुमति ली थी।

(छ) चित्रा ने देरी से आने का कारण बतलाया था कि गर्ग स्टोर्स के सामने पेड़ के नीचे एक भिखारिन मरी पड़ी है और उसके दोनों बच्चे उसके सूखे शरीर से चिपककर बुरी तरह से रहे हैं। जाने क्या था उस सारे दृश्य में कि मैं अपने को रोक नहीं सकी, एक स्केच बना ही डाला। बस, इसी में इतनी देर हो गई।

(ज) अरुणा के साथ आए बच्चों का वास्तविक परिचय जानकर चित्रा की आँखें फैली की फैली रह गई। यह कुछ सोचने लगी क्या शब्द शायद उसके विचारों में ही खो गए।

मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि अरुणा ने भिखारिन के बच्यों को अपनाया उनका पालन-पोषण किया। उसका ऐसा करना उसके ममता एवं त्याग जैसे मानवीय गुणों को प्रदर्शित करता है।

2. इस वाक्य से चित्रा का अपनी सहेली से लगाव उभरता है। यह वाक्य चित्रा का धरातल से जुड़ा रहना भी दिखाता है क्योंकि एक प्रसिद्ध चित्रकार होने के बावजूद भी वह आत्मीयता को स्थान देती है।